

एत्रारंत्रलुष्ठ गारेके (CHAPTER-6) स्टिगार्का टाण्येक (MANIPURI JAGOI)

ෆෟඁඁ෫ෆඁ෦ඁෆ (SOLUTIONS)

र्टेंटहाणी लक्ष्म

: पार्यकर्म भार्ष्म रक्ष्म

प्रत्येश = प्रत्येश देश

 $\vec{\lambda}$ -ए॰ण्रू \vec{m} = लखर॰ण = $\vec{\kappa}$ भ

ज्ञ्चेणा = ज्र्ह्णा सम्बेण, राधि

हुभूग = स्रोपटुगर

टिक्स राजन्यार्य कर्मम ज्ञापित ज्ञाप्त = र्सेट्स ज्ञापित चित्र

टे<u>फ्र</u> = टेक्क महिला шल

माटेलिमा॰न = स्रोपटि॰ए ऐंडए देंश्वेपए ब्रेएम्श प्रसल्य सिम्॰न प्रस्टमप्पटिश स्राटे

भेर्न

१॥ सर्वाणिक वेंभी मार्थिक मार

॥ इपार्थ १ जीवाम निष्ठतर्द्ध तथाउ

गोञ्जः सेञ्च टोगे, खर्डुक, त्यूचन, सभा प्राचे स्त्री ।

॥ इन्यार प्रामम क्षियायरी उपर तब्सा र ब्लाट विवासी लड्ड क्षा ॥ इ

॥ दर्णम॰ ४८ चारुमा अर्चा ः ह्यात

७॥ स्टब्दिणग्रंथ श्रेन्यावित स्वस् व्यक्ति श्रेष्टाणः

॥ दर्भ माष्ट्र प्रधालन्द्रपर्व सर्वेषा १०० मा

। हुदर्क पार्यमूज्य दर्भाउ हदर्भ्याभुम भाषाभार्भार्श स्रम

गिष्ठ क प्राम्य गिर्मर्टार , गिर्मे किमर्म क ब्याट हर्द क्रिम्स गायोलपार संस ः स्रोत

ए ॥

೫॥ "ਰੇਲੇਰਜ" खां खां खां खां वाण्डल ?

गोर्सः ग्रेन्नं स्रोणटगास्त्रा टाण्येटि ॥

॥ ज्ञा क्षेमक्रम द्वार जामा १००४ दर्शा ॥ २

॥ उमर्ठ मी प्राम्य मर्ग्याक मर्ग व्याप्य निवास विकार विवास व

हा। स्थित्वाचार मृत्य क्या हुना तर्यक्रमा स्विद्धाया प्राप्त हुना प्राप्त हुना प्राप्त हुना प्राप्त हुना प्राप्त

॥ उद्धार हे स्वाप्त कि एक जिल्ला हे स्वाप्त है हो ।

्रणाष्ठ्र त्रं पाठ विकास सम्वास मधास स्वरह्मं वर्ष ॥ 02

९९॥ स्टागालाण भेल टांटे प्पली खाउंटे ऋंक्रेणटमहाणः?

॥ इयार्थ तमम विवास प्रतम अभ ॥ ३२

गोन्नः ह्या क्रिक क्षेत्र, माने क्षेत्र, एक्कि क्षेत्र, एक्कि क्षेत्र, एकि ह्या क्षेत्र केलए।

८८॥ "गुणा क्रप्रव आकात केष्ट्रव सक्ता क्राप्त क्र क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्र

॥ दह्नरि थ्यामाधील्यू न्त्रम अर्थ रिक्र एक विकार व्यक्त प्राप्त विकार व्यक्त विकार विकार
